हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 13 सितंबर 2025

11 स्वच्छता को स्वभाव में शामिल करना बेहद जरूरी...

12 15 लाख कीमत के 52 मोबाइल असल मालिक को लौटाएं...

बार्डर से सटे जिलों को नुकसान

हरियाणा में कम से कम 15 वर्ष से निवास कर रही महिला को ही मिलेगा लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ

लाडो लक्ष्मी योजना के फॉर्म का ट्रायल शुरू, 25 सितम्बर से होंगे आवेदन, एक मोबाइल नंबर से कर सकते है तीन आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नायब सरकार ने प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से घोषित दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना को अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस योजना के तहत 23 से 59 वर्ष की आयु की पात्र महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। वहीं इस योजना में दूसरे प्रदेश से सटे हरियाणा के जिलों को नुकसान भी होगा। योजना में यह तय किया है कि हरियाणा में जो महिला कम से कम 15 वर्ष से निवास कर रही है, उसे ही यह लाभ मिलेगा। सरल भाषा में समझे तो महेंद्रगढ़ जिला में पड़ोसी राजस्थान की विवाहिता महिला को 15 साल इंतजार करना पड़ेगा। वह इस योजना की हकदार हो सकती है। इसका नुकसान अकेले महेंद्रगढ़ ही नहीं रेवाड़ी, भिवानी, सिरसा, गुरुग्राम, बहादुरगढ़, यमुनानगर जैसे जिलों में आई दूसरे राज्य की विवाहिताओं को भी लाभ नहीं मिल पाएगा।

इस महत्वाकांक्षी योजना को सुचारू रूप से लागू करने के लिए विभाग ने फॉर्म भरने का ट्रायल वर्जन शुरू कर दिया है। यह ट्रायल यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है कि 25 सितंबर से जब आवेदन प्रक्रिया शुरू हो तो नागरिकों को किसी भी तरह की तकनीकी या प्रक्रियात्मक समस्या का सामना न करना पड़े। विभाग के कर्मचारियों को फॉर्म भरने की विशेष ट्रेनिंग दी गई है और ट्रायल के दौरान उन्हें आने वाली किसी भी समस्या का समाधान तुरंत उच्च अधिकारियों से संपर्क करके किया जा रहा है। यह प्रक्रिया योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

नारनौल। सीएससी सेंटर पर सरकारी योजनाओं की जानकारी लेते ग्रामीण।

क्या कहते है अधिकारी: जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने बताया कि लाडो लक्ष्मी योजना की ट्रायल शुरू होने जा रही है। 25 सितम्बर से पहले हर जिला से कम से कम 100 आवेदन डाउनलोड किए जाएंगे। इस ट्रायल में अगर कोई खामी सामने आती है तो उसे समय रहते दुरूस्त किया जाएगा। योजना से जुड़े नियमों की अभी स्टैडी की जा रही है। इसके बाद ही कुछ कहा जाता है।

हरियाणा में कम से कम 15 वर्ष से निवास कर रही हो महिला

इस योजना का लाभ उठाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण शर्तें भी तय की गई है। सबसे पहली और महत्वपूर्ण शर्त यह है कि लाभार्थी महिला हरियाणा में कम से कम 15 वर्ष से निवास कर रही हो। इसके अलावा लाभार्थी का आधार कार्ड उसके मोबाइल नंबर और बैंक अकाउंट से जुड़ा होना अनिवार्य है। बैंक अकाउंट का फैमिली आईडी से लिंक होना भी आवश्यक है ताकि सीधे खाते में राशि भेजी जा सके। फैमिली आईडी में लाभार्थी की जन्मतिथि का सत्यापन भी अनिवार्य है।

दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना: पात्रता के मुख्य नियम

आयु और निवास की शर्तें

इस योजना का लाभ 23 से 59 वर्ष की आयु की सभी महिलाएं (विवाहित या अविवाहित) उठा सकती है। यदि लाभार्थी का जन्म हरियाणा से बाहर हुआ है तो उनके लिए यह आवश्यक है कि वे हरियाणा में पिछले 15 वर्षों से निवास कर रही हो और इसका रिकॉर्ड उनकी फैमिली आईडी में दर्ज हो।

एक मोबाइल नंबर से भरें जा सकेंगे 3 फार्म

एक और खास बात यह है कि एक परिवार आईडी में एक मोबाइल नंबर से तीन फॉर्म भरे जा सकते है भले ही वह नंबर फैमिली आईडी में पंजीकृत न हो। यह प्रावधान उन परिवारों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है जहां एक ही मोबाइल नंबर का उपयोग कई सदस्य करते है। इस योजना के माध्यम से सरकार का लक्ष्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है। 25 सितंबर से आवेदन प्रक्रिया शुरू होने से राज्य की लाखों महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है जिससे उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव आएगा।

खबर संक्षेप

बाइकों की टक्कर में युवक की मौत

नारनौल। दो बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। युवक की तीन साल पहले ही शादी हुई थी। वहीं उसके एक दो साल का बच्चा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने नागरिक अस्पताल से मृतक का पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के चाचा बहादुर सिंह ने बताया कि गांव बलाहां खुर्द निवासी करीब 35 वर्षीय रवि कुमार वीरवार सायं वह बाइक पर सवार होकर गांव से बलाहां कलां के बस स्टैंड पर जा रहा था। इस दौरान मेला ग्राउंड के पास सामने से आ रहे बाइक चालक ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

दिल्ली मुंबई फ्रंट कॉरिडोर पर व्यक्ति का मिला शव

मंडी अटेली। दिल्ली मुंबई फ्रंट कॉरिडोर पर शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। जीआरपी चौकी इंचार्ज कैलाश चंद शर्मा ने बताया कि शव पुराना बहरोड़ बस स्टैंड के पास पोल नंबर 1299/37/38 के बीच मिला। शव पर इतनी दुर्गंध थी कि अनुमान है कि इसकी मौत 10 से 12 दिन पहले ट्रेन से टकराने के कारण हुई होगी। मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष बताई जा रही है। पहचान करना मुश्किल है, क्योंकि शरीर पहचान योग्य नहीं बचा है। तलाशी के दौरान उसके पास से केवल 120 रुपये मिले हैं और कोई पहचान पत्र भी नहीं मिला।

नांगल में शहीद की प्रतिमा का अनावरण 15 को

मंडी अटेली। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव 15 सितंबर को अटेली क्षेत्र के गांव नांगल में शहीद की प्रतिमा का अनावरण व गनियार बजाड़ में धन्यवादी दौरा करेंगी। जानकारी देते हुए भाजपा अटेली के मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार गनियार ने बताया कि 15 सितंबर को स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव सुबह 10 बजे नांगल में शहीद शीशराम की प्रतिमा का अनावरण करेंगी। गनियार में सुबह 11 बजे व बजाड़ में दोपहर 12 बजे धन्यवाद दौरा करेंगी। इस दौरान भाजपा के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता पहुंचेंगे।

लोगों की मानसिकता में धीमी गति से आ रहा बदलाव, अभी भी जा रहे खुले में शौच

शहर में 96 शौचालय, फिर भी नहीं बदल रही 'सोच', नप भी कर रही नजरदांज

शहर में सर्वे कर हर जगह चिन्हित कर स्थापित किए शौचालय, नगर परिषद ने शहर को किया हुआ है खुले में शौच मुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर परिषद ने शहर के हर कोने को चिन्हित कर 96 स्थानों पर शौचालय स्थापित किए है। इनकी साफ-सफाई के लिए बकायदा कर्मचारियों की अलग से ड्यूटी भी लगाई गई है। शौचालय भवन के बाहर उसकी देखरेख करने वाले कर्मचारी का नाम व मोबाइल नंबर भी अंकित किया है। यह लक्ष्य निर्धारित कर शहर को पूरी तरह 'खुले में शौच मुक्त' कर दिया गया। एक तरफ स्वच्छता पहल को लोग 'बुजुर्गों का चलन' बताकर नकारने का प्रयास कर रहे है। दूसरी तरफ नगर परिषद प्रशासन ने भी शौचालय की दुर्दशा पर भी ध्यान देना छोड़ दिया है।

स्वच्छ भारत मिशन को सार्थक करने के लिए केंद्र सरकार ने नारा 'जहां सोच-वहां शौचालय' दिया है। नारनौल शहर की बात करें तो इस नारे के ठीक उलटे कुछ लोग छोटी मानसिकता का परिचय देते दिखाई दे रहे है। 'पुरखों का चलन' का बहाना लगाकर अभी भी लोग इस पहल से किनारा कर रहे है। ऐसा भी नहीं है कि प्रशासन या नगर परिषद के प्रयास कम रहे है। शहर में पहले सर्वे करवाया गया कि कहां-कहां कितने शौचालय की जरूरत है। इसके बाद 36 सार्वजनिक शौचालय, 38 सामुदायिक शौचालय और तीन मोबाइल शौचालय स्थापित किए गए। टीबी अस्पताल, महिला कॉलेज व मालीटिबा के पास तो सात से आठ लाख रुपये प्रति शौचालय भवन पर खर्च किए है। साधारण मकान में बनने वाले शौचालय से कहीं अच्छी सुविधा इनमें है। साथ ही 60 से 65 हजार की लागत से रेडीमेड सार्वजनिक शौचालय स्थापित किए। इन्हें सीवरेज लाइन से जोड़ा गया। मोबाइल शौचालय की बात करें तो 10 सीट वाले की कीमत छह लाख और छह-छह सीटर वाले दो मोबाइल शौचालय की कीमत करीब चार-चार लाख रुपये की है। इस तरह इन शौचालय पर 50 लाख से अधिक राशि खर्च की गई है। बस स्टैंड के बाहर व नागरिक अस्पताल के बाहर पहले ही बड़े सामुदायिक शौचालय स्थापित थे। गस्तीवाड़ा में नाला के पास बने शौचालय बेहाल स्थिति में खड़े है, इस वजह से वह इस्तेमाल नहीं हो रहे। रोटरी क्लब के प्रधान रहे संजय गर्ग के कार्यकाल में महावीर चौक पर सामुदायिक शौचालय और सुभाष पार्क व चितवन वाटिका के बाहर दो-दो बूथ स्थापित किए गए थे।

नारनौल। गंदे नाले के पास खड़े बेहाल शौचालय बूथ। फोटो : हरिभूमि

सोच में धीमी गति से आ रहा बदलाव

खुले में शौच नहीं करने की जागरूकता में अभी शहर के कुछ लोग पीछे है। इन्हीं लोगों को जागरूक करने के लिए नगर परिषद ने नाटक का मंचन भी करवाया था। इसके बावजूद बुजुर्गों की परम्परा का बहाना बनाकर अभी भी लोग खुले में जा रहे है। ऐसे लोगों में अब जागरूकता फैलाने की जरूरत है। लोगों की सोच बदलेगी तो ही पूरी तरह शहर खुले में शौच मुक्त हो पाएगा।

जिला नगर आयुक्त ने की अपील

जिला नगर आयुक्त रणवीर सिंह ने बताया कि सरकार के निर्देश पर यह अभियान लगातार जारी रहेगा। इसका उद्देश्य केवल शहरों को साफ करना नहीं, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता की आदत को स्थायी रूप से स्थापित करना है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और अपने शहर को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें।

कहां कितने है सार्वजनिक शौचालय

स्थान	शौचालय सीट
महिला आईटीआई के पास	2
रेवाड़ी रोड छलक नाला	1
पीजी कालेज, रेलवे रोड	2
गांधी कालोनी जेर मंडेरी	1
जमालपुर मंदिर के पास	2
सुभाष स्टेडियम मोड	1
नेताजी सुभाषचंद्रबोस पार्क	4
इंद्रा कालोनी, जलमहल रोड	7
मोहल्ला महल, गंदा नाला के पास	5
नांगल चौधरी रोड	2
रेलवे स्टेशन के पास	7
नई अनाज मंडी	2
कुल	36

कहां कितने है सामुदायिक शौचालय

स्थान	शौचालय सीट
टीबी अस्पताल के पास	3
महिला कालेज के पास	5
पुरानी मंडी	5
मोहल्ला गस्तीवाड़ा	5
बस स्टैंड के बाहर	10
नागरिक अस्पताल के बाहर	10
कुल	38

मोबाइल शौचालय

स्थान	शौचालय सीट
हुडा सेक्टर झुग्गी झोपड़ी	10
मोडावाला मंदिर के पास	6
शहर में भ्रमण	6
कुल	22

रोटरी क्लब का सहयोग

- महावीर चौक पर 10 सीटर शौचालय का निर्माण करवाया।
- चितवन वाटिका के बाहर दो बूथ रखवाएं।
- नेताजी सुभाषचंद्र बोस पार्क में दो बूथ रखवाएं।

नारनौल। नारेबाजी करते सफाई कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

बकाया एरियर की मांग को लेकर हड़ताल पर रहे नप सफाई कर्मचारी

कर्मचारियों का नवंबर 2017 से जनवरी 2023 तक का बकाया है एरियर

कर्मचारी बोले..बार-बार हड़ताल करने के बावजूद अधिकारी नहीं दे रहे मांगों की ओर ध्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नगर पालिका कर्मचारी संघ के सफाई कर्मचारी शुक्रवार को बकाया एरियर की मांग को लेकर हड़ताल पर रहे। जिससे शहर में सफाई व्यवस्था चरमरा गई। इस अवसर पर कर्मचारियों ने नारेबाजी कर नप प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कहा कि बार-बार हड़ताल करने के बावजूद भी अधिकारी कर्मचारियों की मांगों की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

नगर पालिका कर्मचारी संघ के इकाई अध्यक्ष सुरेश कुमार जैदिया ने बताया कि तीन नवंबर 2017 से एक जनवरी 2023 तक का कर्मचारियों का एरियर बकाया है। जिसके चलते कर्मचारी कई बार हड़ताल व धरना प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन नगर परिषद के अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिसके चलते नप के सफाई कर्मचारियों ने शुक्रवार को काम छोड़ हड़ताल की है।

उन्होंने बताया कि बीते आठ अगस्त को नगर परिषद प्रशासन व चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने कर्मचारियों से बातचीत की थी। इस वार्ता में उन्होंने 10 दिन के अंदर-अंदर एरियर दिए जाने का आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बाद भी 20 दिन का समय हो गया।

अभी तक कर्मचारियों को बकाया एरियर नहीं मिला है। जिसकी वजह से कर्मचारी परेशान होकर हड़ताल करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि जब तक एरियर का भुगतान नहीं किया जाएगा, तब तक सफाई कर्मचरियों की हड़ताल जारी रहेगी। इस मौके पर राज्य कैशियर महेंद्र सिंह, साहिल कुमार, जिला प्रधान राहुल सारवान, महावीर प्रसाद, भूपेंद्र सिंह, निरंजन कुमार, राजू, रोशन, दीपक, आशु, धर्मेंद्र, संतलाल, विक्रम, राहुल, प्रताप दरोगा, रमेश कुमार, रॉकी, सुरेंद्र व संतलाल सहित अनेक सफाई कर्मचारी मौजूद थे।

फतनी गांव में अवैध कब्जा हटाया

मंडी अटेली। फतनी में फिरनी पर अवैध कब्जे को हटाते हुए।

मंडी अटेली। गांव फतनी में शुक्रवार को फिरनी में चकबंदी के समय से 40 परिवारों की ओर से किए हुए अवैध कब्जों को पीले पंजे की सहायता से हटाया गया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार दलवीर दुग्गल विशेष रूप से मौजूद रहे। यह कब्जा करवाई दोपहर साढ़े 12 से शुरू होकर सायं तक चली। पुलिस बल तैनात किया गया था और लगभग 40 अवैध कब्जों पर पीला पंजा चलाया गया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार दलवीर दुग्गल ने बताया कि गांव में चकबंदी के समय से फिरनी पर ग्रामीणों ने अवैध रूप से निर्माण कर रखा था। सरकार के आदेश अनुसार जो भी सरकारी भूमि व ग्राम पंचायत की सामलात भूमि कब्जा किए हुए हैं, उन सभी से आग्रह किया जाता है कि वह जल्द से जल्द खाली कर दें। अन्यथा विभाग की ओर से अवैध कब्जों को हटाया जाएगा।

कुल्हाड़ी से हत्या करने के मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

महेंद्रगढ़। आपसी कहासुनी को लेकर कुल्हाड़ी मारकर हत्या करने और नहर में फेंकने के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपित साहिल वासी बुचौली को बुचावास क्षेत्र से गिरफ्तार किया है, जिसे न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आपस में हुई कहासुनी को लेकर आरोपित ने वारदात को अंजाम दिया था। नौ सितम्बर को सुरेन्द्र वासी बुचौली की लाश सुरजनवास नहर पम्प हाउस नंबर दो में मिली थी। शिकायतकर्ता के छोटे भाई सन्दीप वासी बुचौली ने थाना सदर महेंद्रगढ़ में तीन नामजद लोगों के खिलाफ उसके बड़े भाई सुरेन्द्र की हत्या करने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उसने बताया कि उसका बड़ा बकरी पालन का कार्य करता था। 9 सितम्बर को सुबह लगभग 11.30 के आसपास उसको सूचना मिली कि उसके भाई की डेड बॉडी सुरजनवास पम्प हाउस में मिली है। उसके बाद वह उसके पिताजी के साथ सिविल हॉस्पिटल महेंद्रगढ़ में पहुंचे। वहां पर देखा कि उसके चेहरे पर आंख और सिर व गर्दन पर गहरी चोट लगी हुई था, जिससे यह प्रतीत हुआ कि उसके भाई की हत्या की गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

महेंद्रगढ़। पुलिस की गिरफ्त में मुख्य आरोपी साहिल। फोटो : हरिभूमि

हत्या के मामले में दोषी करार, कोर्ट ने आजीवन कारावास की सुनाई सजा, दो लाख का जुर्माना

पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर को छह घंटे के अंदर गिरफ्तारी कर पाई थी सफलता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

आपसी कहासुनी को लेकर हत्या के मामले में दोषी को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई व जुर्माना लगाया है। माननीय न्यायालय ने दोषी कुलदीप वासी नांगल पीपा, नांगल चौधरी को हत्या करने के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषी को धारा 302 आईपीसी के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोषी पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना न भरने पर दोषी को अतिरिक्त कारावास की सजा काटनी होगी।

मामले के अनुसार अगस्त 2023 में मृतक युवक के पिता रोशनलाल वासी गांव छापड़ा बीबीपुर ने थाना नांगल चौधरी में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका बड़ा लड़का रिंकू 16 अगस्त को मोबाइल घर से लेकर मोटरसाइकिल पर सवार होकर दिन के समय 11 बजे घर से निकला था और घर से छह हजार रुपये लेकर गया था, जो उसका लड़का शाम को वापिस नही आया। अगले दिन 17 अगस्त को सूचना मिली थी कि भोजावास की सीम में सरस्वती स्कूल के पास बाजरा के खेत में एक युवक की नाश मिली है। इस सूचना पर वह अपने परिवार के साथ मौके पर पहुंचा। देखा कि उसके लड़के रिंकू का शव है। शिकायतकर्ता ने शक जाहिर किया कि कि किसी ने उसके लड़के को मारा है। जिस पर पुलिस ने थाना नांगल चौधरी में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी।

क्या कहती है एसपी

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने जिला महेंद्रगढ़ के सभी प्रबंधक थाना, चौकी इंचार्ज व अनुसंधानकर्ताओं को विशेष निर्देश दिए हुए हैं कि शिकायत पर बिना किसी विलंब के शिकायत के आधार पर अभियोग अंकित करें। महत्वपूर्ण साक्ष्य व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर प्रभावी पुलिस कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय में आरोपितों को दंड व पीड़ित को न्याय दिलाने का कार्य करें।

हरियाणा में जल्द शुरू होगा पेपरलेस रजिस्ट्रेशन सिस्टम | **सरकार ने जमीन की स्टीक पैमाइश के लिए जिले में भेजे 12 रोवर**

भू-अभिलेख विभाग के निदेशक ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

भूमि लेनदेन को पारदर्शी व विवाद मुक्त बनाने के लिए पेपरलेस रजिस्ट्रेशन सिस्टम तैयार

जमीन की रजिस्ट्री के लिए ऑनलाइन ही होगी दस्तावेजों की जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भूमि लेनदेन को और अधिक पारदर्शी, कुशल व विवाद मुक्त बनाने के लिए सरकार ने पेपरलेस रजिस्ट्रेशन का सिस्टम तैयार कर लिया है। जल्द ही जमीन की रजिस्ट्रेशन का काम ऑनलाइन हो जाएगा। ऐसे में राजस्व विभाग के सभी अधिकारी इसके लिए तैयार रहे। यह निर्देश भू-अभिलेख विभाग के निदेशक यशपाल यादव ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक में दिए। इस दौरान उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार भी मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि राजस्व से संबंधित सेवाओं में और अधिक पारदर्शिता लाने व सेवाओं की समयबद्ध डिलीवरी के हरियाणा सरकार नई तकनीक व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद लेगी। राज्य में इस प्रणाली के लागू होने पर नागरिक जमीन की रजिस्ट्री के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं और दस्तावेजों की ऑनलाइन जांच करवा सकते हैं। लोगों को विलेख पंजीकरण के लिए तहसील कार्यालयों में बार-बार जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी और प्रक्रिया में लगने वाला समय कम होगा। राज्य में स्टीक पैमाइश के लिए 300 रोवर सभी जिलों को दिए गए हैं। जिला महेंद्रगढ़ को 12 रोवर दिए गए है। उन्होंने कहा कि तकनीक व एआई की मदद से अब जमीन की पैमाइश में पारदर्शिता आएगी। इस बैठक में एसडीएम अनिरुद्ध यादव, जिला नगर आयुक्त रणवीर सिंह, डीआरओ राकेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

नारनौल। राजस्व अधिकारियों की बैठक लेते भू-अभिलेख विभाग के निदेशक यशपाल यादव व उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार।

प्रॉपर्टी के झगड़े होंगे कम

इस बैठक में उन्होंने चकबंदी कार्यों की समीक्षा की। इसके अलावा ततीमा कार्य की प्रगति, तकसीम (विभाजन) कोर्ट केस तथा निशानदेही के कार्यों की समीक्षा भी की। उन्होंने बताया कि प्रदेश के तीन शहरों का स्थानिक ज्ञान आधारित भू-सर्वेक्षण (नक्शा) तैयार किया जाएगा। इसमें प्रायोगिक तौर पर नारनौल, पंचकूला व मानेसर को शामिल किया गया है। नारनौल में ड्रोन फ्लाइंग का कार्य पूरा हो चुका है। इसके बाद प्रॉपर्टी के झगड़े कम होंगे तथा शहरी स्थानीय निकाय विभाग को राजस्व भी प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि भविष्य में पैमाइश के आवेदन भी ऑनलाइन होंगे। राजस्व अधिकारी द्वारा बंटवारे की सूचना पोर्टल पर अपलोड होते ही सभी पड़ोसियों को भी सूचना जाएगी। इस प्रकार सभी को ऑनलाइन समन होंगे, ताकि समय की बचत हो।

रेगिस्तान में चलने वाले ऊंट की 3 पलकें होती हैं।

कबूतर के पंखों का वजन उनकी हड्डियों से अधिक होता है।

संवारें डिजिटल सेक्टर में भविष्य, सीखें स्किल

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

आज दुनिया तेजी से डिजिटल हो रही है। बिग डेटा के साथ एकुरेसी की तरफ ध्यान दिया जा रहा है। आज एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्लॉक चेन, रोबोटिक्स, आईओटी जैसे तकनीकें तेजी डिजिटल दुनिया को बदल रही हैं। डिजिटल सेक्टर तेजी से विकसित होती इंडस्ट्री है, जो युवाओं को नए रोजगार अवसर प्रदान कर रही है। 2030 में डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर का आकार 1500 अरब डॉलर से अधिक होने की संभावना है। डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, वेब डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र हैं जो डिजिटल सेक्टर में 3 से 6 महीने की स्किल सीखने पर उपलब्ध हैं।

भारी डिमांड

ये डिजिटल स्किल्स सीखें

वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर स्किल, सोशल मीडिया स्किल, पर्सनल आर्किविंग, इनफॉर्मेशन इवैल्यूएशन, स्क्रीनकास्टिंग, कोलैबोरेशन, इमेज एडिटिंग, कंटेंट राइटिंग एंड कंटेंट मैनेजमेंट, डाटा एनालिटिक्स, कॉपीराइट एंड प्लेगिअरिज़्म, डाटा साइंस, डिजिटल प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, डिजिटल प्रोडक्ट मैनेजमेंट, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, डिजिटल बिजनेस एनालिसिस, डिजिटल डिजाइन एंड डाटा विजुअलाइजेशन, वेब एंड एप डेवलपमेंट, डिजिटल प्रोग्रामिंग, डिजिटल वीडियो एडिटिंग आदि।

बेसिक लर्निंग : कोडिंग, ब्रांडिंग, क्लाउड सॉफ्टवेयर, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, बैंकिंग एप्स आदि।

ये स्किल अहम : 1. सोशल मीडिया मार्केटिंग, 2. सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ), 3. डिजिटल एनालिटिक्स, 4. ईमेल मार्केटिंग, 5. कंटेंट मार्केटिंग, 6. पेड एड्स, 7. वेबसाइट डेवलपमेंट, 8. वीडियो मार्केटिंग

डिजिटल कोर्सेज : सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ), वेब एनालिटिक, ग्राफ़कि डिजाइनिंग, एनीमेशन एंड मल्टीमीडिया, ग्रोथ हैकिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, ईमेल/ इनबाउंड मार्केटिंग, मोबाइल मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, पे-पर-क्लिक (पीपीसी) मार्केटिंग, सर्टिफाइड डिजिटल मार्केटिंग मास्टर कोर्स आदि।

मार्केटिंग हॉट

मार्केटिंग का एक अन्य ट्रेंड है डिजिटल मार्केटिंग। यह उन सभी ऑनलाइन मार्केटिंग गतिविधियों के लिए उपयोग किया जा सकता है जो इंटरनेट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से की जा रहीं हैं। आज के समय में कंपनियां डिजिटल मार्केटिंग के लिए अलग-अलग प्लेटफॉर्मों का उपयोग कर रहीं हैं, जैसे वेबसाइट, सोशल मीडिया, ईमेल और मोबाइल एप्लीकेशन। इसी कारण डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर में सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ), सोशल मीडिया मार्केटिंग (एसएमएम), मार्केटिंग एनालिसिस्ट, ईमेल मार्केटिंग, वीडियो मार्केटिंग, फेसबुक विज्ञापन एक्सपर्ट की ढेरों रिक्तियां हैं।

जॉब ऑप्शन्स : डाटा साइंटिस्ट, वेस्ट डाटा मैनेजर, कमर्शियल/ सिविलियन ड्रोन ऑपरेटर, डिजिटल करेंसी एडवाइजर, डिजिटल आर्टिस्ट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक्सपर्ट, रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग एक्सपर्ट, डिजिटल प्रोडक्ट डिज़ाइनर, मोबाइल डिज़ाइनर, वेब डेवलपर/ वेब डिज़ाइनर, एनिमेशन एक्सपर्ट, एनालिटिकल मैनेजर, यूज़र एक्सपीरियंस डिज़ाइनर, डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, ईमेल मार्केटिंग मैनेजर, सोशल मीडिया एक्सपर्ट, सर्च इंजन ऑप्टिमाइज़र, कॉपी/ कंटेंट राइटर।

टॉप रिक्रूटर्स : एफएमसीजी (फ़ास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स), रिटेल, टूरिज्म, बैंकिंग, हॉस्पिटैलिटी, आईटी एंड आईटीईएस, मीडिया/ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स/ चैनल्स, पीआर एंड एडवरटाइजिंग, कंसल्टेंसी, मार्केट रिसर्च और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइसेज आदि।

स्किल सीखने के फायदे

डिजिटली दक्ष युवाओं के लिए कई नौकरियां उपलब्ध हैं। डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर में स्किल्ड युवाओं की कमी होने के कारण नौकरियों में उच्च वेतन दिया जाता है। डिजिटल मार्केटिंग उद्यमियों के लिए एक लाभदायक विकल्प होता है। इसमें वे अपने उत्पादों और सेवाओं को व्यापक रूप से प्रचार कर सकते हैं और अधिक ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग ने बाजार में एक नया मापदंड स्थापित किया है। इसमें अधिक लोगों तक आपका संदेश पहुंचाने के लिए कम खर्च की आवश्यकता होती है। इस तरह से, उद्यमी संचार के लिए कम समय और पैसे खर्च करते हैं। डिजिटल सेक्टर युवा नए क्षेत्र में रोमांचक तरीके से काम कर सकते हैं। आप खुद के बोस हो सकते हैं और स्वयं के अनुसार काम करने का फैसला कर सकते हैं। आप खुद के व्यवसाय या ऑनलाइन स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं जो आपको स्वतंत्रता और आय की संभावनाएं प्रदान करता है। आप अपने दौर के अनुसार उचित संसाधनों और उपकरणों के साथ काम कर सकते हैं जो आपको आपकी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करते हैं। ऑनलाइन वर्क और प्लेटफ्रॉर्म्स पर सुरक्षित रहना और जिम्मेदारी से काम करना आ जाता है।

डिजिटल सेक्टर के ट्रेंड्स

आधार आधारित

आधार आधारित मार्केटिंग बढ़ता हुआ ट्रेंड है। इस मार्केटिंग में ग्राहकों के बारे में जानकारी जैसे उनके नाम, उम्र, पता, ईमेल आईडी, सोशल मीडिया अकाउंट आदि इकट्ठी कर इसका उपयोग उन्हें प्रभावी ढंग से लक्ष्य दर्शकों के लिए विज्ञापन दिखाने में किया जाता है।

सोशल मीडिया

सोशल मीडिया मार्केटिंग एक और महत्वपूर्ण डिजिटल मार्केटिंग ट्रेंड है। सोशल मीडिया पर विज्ञापन दिखाने के साथ-साथ, उत्पाद या सेवाओं को विस्तार से बताने और संचार करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाता है। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट और विज्ञापन शेयर करके, व्यवसाय अपनी विनिमय विवरणों को ग्राहकों तक पहुंचा सकते हैं और ग्राहकों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

वीडियो मार्केटिंग

वीडियो मार्केटिंग लोकप्रिय डिजिटल मार्केटिंग ट्रेंड है जो ऑडियो और वीडियो सामग्री के माध्यम से उत्पादों और सेवाओं का विज्ञापन करता है, क्योंकि इससे उत्पाद और सेवाओं के बारे में दिए जा रहे विवरणों को समझना आसान हो जाता है। यह वीडियो एड विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चलाए जा रहे हैं। जैसे - यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि।

प्रोफेशनल और टेक्निकल करियर की दिशा में ले जाता यह कोर्स

'परफ्यूजन टेक्नोलॉजी' से मेडिकल के क्षेत्र में बनाएं शानदार करियर, सैलरी भी अच्छी

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

मेडिकल साइंस के क्षेत्र में जहां हर विभाग का अपना अलग महत्व है, वहीं परफ्यूज़निस्ट की भूमिका दिल की सर्जरी जैसे जटिल ऑपरेशनों के दौरान जीवनरक्षक बन जाती है। परफ्यूजन टेक्नोलॉजी में बीएससी कोर्स युवाओं को मेडिकल क्षेत्र में एक प्रोफेशनल और टेक्निकल करियर की दिशा में ले जाता है। परफ्यूज़निस्ट हृदय शल्यचिकित्सा (हार्ट सर्जरी) जैसे ऑपरेशनों के दौरान हृदय-फेफड़ा मशीन चलाते हैं, जो सर्जरी के समय हृदय और फेफड़ों की जगह कार्य करती है। वे सर्जरी के दौरान रक्त प्रवाह, ऑक्सीजन स्तर और दवाओं का संतुलन बनाए रखने में विशेषज्ञ होते हैं। हृदय और फेफड़ों के प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) में परफ्यूज़निस्ट की भूमिका अनिवार्य होती है, जबकि गुर्दा (किडनी) या यकृत (लिवर) प्रत्यारोपण में भी उनकी आवश्यकता हो सकती है। इसके अतिरिक्त, हृदय और धमनियों से जुड़ी ऑन्को-सर्जरी (कैंसर सर्जरी) में भी आवश्यकता पड़ने पर परफ्यूज़निस्ट की सेवाएं ली जाती हैं। इस क्षेत्र में किसी भी युवा के लिए करियर बनाना बेहतरीन तरीका हो सकता है। इसकी बहुत डिमांड रहती है। यदि आप भी इस क्षेत्र में करियर आजमाना चाहते हैं तो आप एक चार साल का कोर्स कर परफ्यूज़निस्ट की भूमिका निभा सकते हैं। यह आपके करियर को चार चांद लगा सकता है। साथ आप मरीज की धड़कनों से रूबरू हो सकते हैं। इसलिए हर युवा इस क्षेत्र में अपना भाग्य आजमा सकता है।

> **हृदय और फेफड़ों के ट्रांसप्लांट में परफ्यूज़निस्ट की भूमिका अनिवार्य, लोगों की धड़कनों के करीब रहने वाला करियर**

कोर्स की योग्यता

- इस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्रों को 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी/ गणित के साथ) न्यूनतम 50/55% अंकों से पास होना जरूरी है। सरकारी संस्थानों में केवल प्रवेश परीक्षा (**Entrance Test**) के आधार पर ही दाख़िला होता है।

प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता दाख़िला

यहां मिलेंगे नौकरी के अवसर

इस कोर्स के बाद छात्र कार्डियक सर्जरी विभागों, मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स, आईसीयू यूनिट्स और हार्ट रिसर्च सेंटर में काम कर सकते हैं। सरकारी और निजी दोनों ही सेक्टर में इस प्रोफेशन की मांग लगातार बढ़ रही है।

प्रमुख संस्थान जहां से कर सकते हैं कोर्स

- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश
- जवाहरलाल आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुदुच्चेरी
- पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ (स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़)
- पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रोहतक (स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक)
- अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ एंड रिसर्च, कोच्चि (अमृता आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, कोच्चि)
- यू. एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर, अहमदाबाद (यू. एन. मेहता हृदय रोग एवं अनुसंधान केंद्र, अहमदाबाद)
- क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर

निष्कर्ष

परफ्यूजन टेक्नोलॉजी मेडिकल क्षेत्र का वह विशेष हिस्सा है जो सर्जरी के दौरान मरीज की जान बचाने का कार्य करता है। अगर आप टेक्निकल ज्ञान के साथ मेडिकल सेवाओं में रुचि रखते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसमें स्किल्स और अनुभव के साथ करियर की ऊंचाइयों तक पहुंचने के अवसर मौजूद हैं।

यह मिल सकता है वेतनमान

- क्षेत्र में शुरुआती वेतनमान 40,000 से 45,000 प्रतिमाह होता है। अनुभव के साथ यह वेतन 1,00,000 से 1,50,000 प्रतिमाह तक पहुंच सकता है। विदेशों में परफ्यूज़निस्ट की बहुत अधिक मांग और आकर्षक वेतन पैकेज होता है।
- **B.Sc in Perfusion Technology** की अवधि 4 वर्ष की होती है, जिसमें अंतिम वर्ष में इंटर्नशिप शामिल रहती है। कोर्स में थ्योरी, सर्जिकल एक्सपोज़र व क्लीनिकल ट्रेनिंग का समावेश होता है। यह आपके लिए एक बेहतर अवसर हो सकती है।

क्या है टेक्नोलॉजी

- यह चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जो प्रक्रियाओं के दौरान हृदय और फेफड़ों के कार्य का समर्थन करने और संभालने के लिए उपकरणों का उपयोग करती है।
- यह तकनीक हृदय-फेफड़े की मशीन (हार्ट-लंग मशीन) और अन्य जीवन रक्षक प्रणालियों जैसे कि **IABP**, **LVAD**, **RVAD** और **ECMO** के संचालन पर केंद्रित है।
- इसका मुख्य उद्देश्य सर्जरी के दौरान रोगी के शरीर में पर्याप्त ऑक्सीजनेशन (ऑक्सीजन का संचार) और परिसंचरण (रक्त प्रवाह) सुनिश्चित करना है।
- परफ्यूजन टेक्नोलॉजिस्ट सर्जिकल टीम का सदस्य होता है।
- हृदय और फेफड़ों की सर्जरी के दौरान हृदय-फेफड़े की मशीन और उपकरणों को संचालित करते हैं।
- वे रोगी की शारीरिक स्थिति की निगरानी करते हैं और सर्जरी के दौरान आवश्यक दवाओं और रक्त उत्पादों का प्रशासन सुनिश्चित करते हैं।

इसलिए कर सकते हैं कोर्स

- परफ्यूज़न टेक्नोलॉजी का कार्डियोलॉजी से गहरा संबंध है, क्योंकि यह हृदय संबंधी उपचारों और प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परफ्यूज़निस्ट, कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग (सीएबीजी) या वाल्व रिप्लेसमेंट जैसी सर्जरी के दौरान हृदय-फेफड़े की मशीन का प्रबंधन करने के लिए हृदय रोग विशेषज्ञों और हृदय शल्य चिकित्सकों के साथ मिलकर काम करते हैं, जहाँ वे रक्त का उचित संचार और ऑक्सीजनीकरण सुनिश्चित करते हैं।
- यह सहयोग कार्डियोलॉजी में महत्वपूर्ण है, जहां सटीक और कुशल परफ्यूजन तकनीक हृदय शल्य चिकित्सा और अन्य हृदय संबंधी हस्तक्षेपों की सफलता को सीधे प्रभावित करती है।
- **मांग में पेशे:** बीएससी कार्डियो पल्मोनरी परफ्यूजन टेक्नोलॉजी स्नातक आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर हैं, विशेष रूप से हृदय शल्य चिकित्सा और हृदय-फेफड़े की मशीनों से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रक्रियाओं में।
- **विशिष्ट कौशल सेट:** बीएससी कार्डियो पल्मोनरी परफ्यूजन टेक्नोलॉजी छात्रों को सर्जरी के दौरान हृदय-फेफड़े की मशीन जैसे जीवन रक्षक उपकरणों को संचालित करने के लिए तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से लैस करती है।
- **विविध कैरियर के अवसर:** बीएससी कार्डियो पल्मोनरी परफ्यूजन टेक्नोलॉजी स्नातक अस्पतालों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों में काम कर सकते हैं, या कार्डियोवैस्कुलर विज्ञान या संबंधित क्षेत्रों में आगे की पढ़ाई कर सकते हैं।

लोगों और जानवरों के लिए हाथ बढ़ाएं भारत को आपदा प्रबंधन में सशक्त बनाएं

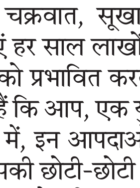

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

भारत एक ऐसा देश है जहां प्रकृति की सुंदरता और विविधता के साथ-साथ प्राकृतिक आपदाएं भी आती हैं। बाढ़, भूकंप, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी आपदाएं हर साल लाखों लोगों और जानवरों के जीवन को प्रभावित करती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप, एक युवा और ऊर्जावान छात्र के रूप में, इन आपदाओं में बदलाव ला सकते हैं? आपकी छोटी-छोटी कोशिशें न केवल लोगों और जानवरों की जान बचा सकती हैं, बल्कि भारत को आपदा प्रबंधन में सशक्त भी बना सकती हैं। यह लेख आपको प्रेरित करने के लिए है कि कैसे आप आपदा पर्यावरण में मदद कर सकते हैं, लोगों और जानवरों के लिए सहायता का हाथ बढ़ा सकते हैं, और आपदा प्रबंधन के महत्वपूर्ण कौशल विकसित कर सकते हैं।

एक पोस्ट बचा सकती हैं हजारों जिंदगियां

आपदा में सहायता की आवश्यकता क्यों? : भारत में हर साल प्राकृतिक आपदाएं लाखों लोगों को प्रभावित करती हैं।

पंजाब की वर्तमान स्थिति और छात्रों की भूमिका: जागरूकता और सावधानियां फैलाकर योगदान दें। प्रिय छात्रों, आज का समय चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह आपके जैसे युवा योद्धाओं के लिए अवसर है कि आप अपनी शक्ति से बदलाव लाएं। सितंबर 2025 में, पंजाब भयंकर बाढ़ की चपेट में है। भारी बारिश ने नदियों को उफान पर ला दिया है, हजारों लोग बेघर हो गए हैं, स्कूल-कॉलेज बंद हैं, और लाखों प्रभावित हैं। गांव डूबे हुए हैं, सड़कें जलमग्न हैं, और जीवन अस्त-व्यस्त है। लेकिन याद रखो, हर संकट में एक नई शुरुआत छिपी होती है। आप, छात्रगण, घर बैठे भी इस लड़ाई में शामिल हो सकते हैं – सोशल मीडिया के माध्यम से। सोशल मीडिया आपका हथियार है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स , और व्हाट्सएप पर अपनी आवाज बुलंद करो। जागरूकता फैलाओ, सावधानियां साझा करो, और लोगों को प्रेरित करो। तुम्हारी एक पोस्ट हजारों जिंदगियां बचा सकती है।

जागरूकता फैलाएं: बाढ़ की ताजा खबरें शेयर करें – सरकारी अलर्ट, बचाव कार्यों की अपडेट्स। पोस्ट में लिखें। पंजाब की बाढ़ में हम सब साथ हैं। जानकारी बचाएगी जान। हैशटैग जैसे **#PunjabFloods**2025, **#StaySafePunjab** इस्तेमाल करें। अपनी स्टोरी में वीडियो बनाओ जहां तुम बताओ कि बाढ़ क्यों आई और कैसे रोक सकते हैं।

सावधानियां सिखाएं: लोगों को बताओ कि बाढ़ में क्या करें और क्या न करें। उदाहरण-

- ऊंचे स्थानों पर जाएं, बाढ़ के पानी में न उतरें – यह जानलेवा हो सकता है।
- साफ पानी पिएं, उबला पानी इस्तेमाल करें ताकि बीमारियां न फैलें।
- बिजली के तारों से दूर रहें, और बच्चों को पानी के पास न खेलने दें।
- आपातकालीन नंबर (112 या स्थानीय हेल्पलाइन) शेयर करें।

अपनी पोस्ट में कहो, एक छोटी सावधानी, बड़ा बचाव! आओ, मिलकर पंजाब को मजबूत बनाएं।

प्रेरणा दें: दान अभियान शुरू करो – राहत सामग्री, दवाइयां, या फंडरेजर। अपनी क्लासमेट्स को जोड़ो, ग्रुप बनाओ। कहो: ₹हम छात्र हैं, हम बदलाव हैं! आज की आपदा कल की मजबूती बनेगी।

सोशल मीडिया से क्रांति लाओ

घर बैठे सोशल मीडिया से क्रांति लाओ। तुम्हारी जागरूकता से कोई परिवार बचेगा, कोई गांव सुरक्षित होगा। उठो, पोस्ट करो, और दुनिया को दिखाओ कि युवा शक्ति क्या कर सकती है। जय हिंद, जय पंजाब। छात्रों के रूप में, आपके पास समय, ऊर्जा और सीखने की क्षमता है। आप न केवल तत्काल सहायता प्रदान कर सकते हैं, बल्कि दीर्घकालिक समाधान भी विकसित कर सकते हैं। महात्मा गांधी ने कहा था, "विश्व में जो बदलाव आप देखना चाहते हैं, वह स्वयं बनें।" आपदा प्रबंधन में आपका योगदान भारत को अधिक सुरक्षित और लचीला बना सकता है। यह न केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी है, बल्कि आपके व्यक्तिगत विकास और नेतृत्व कौशल को बढ़ाने का अवसर भी है।

आपदा में लोगों और जानवरों की मदद कैसे करें? आपदा के समय सक्रिय होना सबसे महत्वपूर्ण है। यहां कुछ व्यावहारिक और प्रभावी तरीके दिए गए हैं जिनसे आप मदद कर सकते हैं:

स्वयंसेवी कार्यों में भाग लें : लोगों की मदद: स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) जैसे रेड क्रॉस, गो ग्रीन, या अन्य राहत संगठनों से जुड़ें। आपदा के दौरान राहत सामग्री जैसे भोजन, पानी, दवाइयां, कंबल और कपड़े वितरित करने में मदद करें। उदाहरण के लिए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में सहायता करें या अस्थायी आश्रय स्थलों में उनकी देखभाल करें।

जानवरों की सहायता: आपदाओं में पशु भी उतने ही प्रभावित होते हैं जितने लोग। आवारा कुत्तों, बिल्लियों, या अन्य पशुओं को भोजन और पानी प्रदान करें। पशु चिकित्सा कैंप में स्वयंसेवक बनें, जहां घायल जानवरों का इलाज होता है। संगठन जैसे पेटा इंडिया या ब्लू क्रॉस ऑफ इंडिया के साथ मिलकर काम करें।

सामान्य ज्ञान

1. निम्न में कौन सी भाषा संस्कृत भाषा की अपभ्रंश है?
(ए) खड़ी बोली (बी) ब्रजभाषा
(सी) अवधी (डी) पालि

2. अधिकतर भारतीय भाषाओं का विकास किस लिपि से हुआ?
(ए) शारदा लिपि (बी) खरोष्ठी लिपि
(सी) कुटिल (डी) ब्राह्मी लिपि

3. हिंदी भाषा किस लिपि में लिखी जाती है?
(ए) गुरुमुखी (बी) ब्राम्ही
(सी) देवनागरी (डी)सौराष्ट्री

4. वर्तमान हिंदी का प्रचलित रूप है?
(ए) अवधी (बी) ब्रजभाषा
(सी) खड़ी बोली (डी) देवनागरी

5. हिन्दी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण के आधार पर छतीसगढ़ी बोली है?
(ए) पूर्वी हिन्दी (बी)पश्चिम हिन्दी
(सी)पहाड़ी हिन्दी (डी)राजस्थानी

6. निम्नलिखित में से कौन सी पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है ?
(ए) बुन्देली (बी) ब्रजभाषा
(सी) कन्नौजी (डी) बघेली

7. भारतीय संविधान में किन अनुच्छेदों में राजभाषा संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है ?
(ए)343-351 तक (बी)434-315 तक
(सी)443-135 तक(डी) 334-153 तक

8. दक्षिणी भारत हिन्दी प्रचार सभा का मुख्यालय कहां स्थित है ?
(ए) हैदराबाद (बी) बंगलौर
(सी) चेन्नई (डी)मैसूर

9. हिन्दी भाषा के विकास का सही अनुक्रम कौन-सा है ?
(ए) पालि-प्राकृत-अपभ्रंश -हिन्दी
(बी) प्राकृत-अपभ्रंश-हिन्दी-पालि
(सी) अपभ्रंश-पालि-प्राकृत-हिन्दी
(डी) हिन्दी-पालि-अपभ्रंश-प्राकृत

10. संविधान के अनुच्छेद 351 में किस विषय का वर्णन है ?
(ए) संघ की राजभाषा
(बी) उच्चतम न्यायालय की भाषा
(सी) पत्राचार की भाषा
(डी) हिन्दी के विकास के लिए निर्देश

उत्तर 1.(डी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(सी) 5.(ए) 6.(डी) 7.(ए) 8. (सी)9. (ए) 10. (डी)

खबर संक्षेप

आरती व कनिष्का ने जिला स्तर पर जीता पुरस्कार

नारनौल। राजकीय मॉडल संस्कृति कन्या प्राथमिक विद्यालय आजमाबाद मौखुता में हिन्दी पखवाड़ा के अंतिम चरण में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम प्रभारी शिवदत्त ने बताया कि मां की लोरी से मौलिक चिंतन के विकास तक हिन्दी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषण में आरती व कविता में कनिष्का ने जिला स्तर पर, जबकि हेजल ने निबंध में खंड स्तर पर पुरस्कार प्राप्त कर विद्यालय को गौरवांवित किया। यह प्रतियोगिताएं राज्य शिक्षा व अनुसंधान परिषद गुरुग्राम के संयोजन में आयोजित की गई थी।

सातवां राज्य स्तरीय और ट्रायल व्हीलचेयर रग्बी 13 से

नारनौल। पचेरी बड़ी स्थित सिंघानिया विश्वविद्यालय में राजस्थान व्हीलचेयर रग्बी एसोसिएशन के सहयोग से सातवीं दो दिवसीय राज्य स्तरीय व ट्रायल व्हीलचेयर रग्बी चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता 13 और 14 सितम्बर को सिंघानिया विश्वविद्यालय परिसर पचेरी बड़ी में आयोजित होगी। इस चैंपियनशिप में विभिन्न जिलों से खिलाड़ी भाग लेंगे और चयनित खिलाड़ियों को आगे राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व का अवसर मिलेगा।

विधायक व डीएमसी ने हुड्डा पार्क में चलाया स्वच्छता अभियान

स्वच्छता को स्वभाव में शामिल करना बेहद जरूरीः विधायक

- नागरिकों ने अपने आसपास सफाई रखने का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहरी स्वच्छता अभियान के तहत आमजन की सक्रिय भागीदारी से सफाई अभियान चलाया और नागरिकों ने सफाई के लिए शपथ लेकर अपने आसपास सफाई रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विधायक कंवर सिंह यादव मुख्यातिथि व जिला नगर आयुक्त रणवीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

विधायक कंवर सिंह ने कहा कि स्वच्छता को स्वभाव में शामिल करना बेहद जरूरी है, तभी हम सभी मिलकर स्वच्छ पर्यावरण बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आज इस पुनीत अभियान के कारण हर आमजन स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए उत्साहित है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में चलाए जा रहे स्वच्छ शहर अभियान के तहत आमजन को स्वच्छता की मुहीम से जोड़कर शहर में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। जिला नगर आयुक्त रणवीर सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत शहरी क्षेत्र को स्वच्छ बनाने की दिशा में नगर निकायों के अधिकारी व कर्मचारी सफाई करते हुए दूसरों को घरों के आसपास नियमित रूप से सफाई करने के लिए प्रेरित कर रहे है। इस सफाई अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को साफ–सफाई के प्रति जागरूक करना है। लोगों की भागीदारी से ही शहर को गंदगी से मुक्त किया जा सकता है। शहर के विभिन्न वार्डों में सफाई कर लोगों को अभियान के साथ जोड़ा जा रहा है और लोगों को कचरा सड़क अथवा गली में डालने के स्थान पर डस्टबीन में एकत्रित करते हुए कचरा उठाने वाली गाड़ी में डालने के लिए जागरूक किया जा रहा है। डीएमसी ने कहा कि यह एक निरंतर कार्यक्रम है, इसे अपनी आदत बनाते हुए नियमित सफाई कार्य करें। उन्होंने कहा कि नियमित सफाई के अभाव में नालियों में गंदगी बढ़ जाती है। इसका सीधा प्रभाव पानी निकासी पर पड़ता है।

महेंद्रगढ़। स्वच्छता की शपथ लेते विधायक, डीएमसी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

कार्यक्रम से पहले विधायक कंवर सिंह यादव व जिला नगर आयुक्त रणवीर सिंह ने पौधा लगाकर आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद उन्होंने नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक व जिला नगर आयुक्त ने पार्क का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को पार्क की कमियों को दूर करने के दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका सचिव गौरव कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी व नागरिक मौजूद रहे।

गलियों एवं नालियों की सफाई करने के निर्देश

उन्होंने सफाई कर्मचारियों को सभी वार्डों में नियमित रूप से गलियों एवं नालियों की सफाई करने के निर्देश दिए और उन्होंने बताया कि प्रत्येक वार्डों में विभिन्न विभागों के नियुक्त नोडल अधिकारी अपने अपने वार्डों में निगरानी कर रहे है। उन्होंने बताया कि कूड़ा फेंकने वालों पर अब कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया जा रहा है।

महेंद्रगढ़। जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

विद्यावती नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली

महेंद्रगढ़। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर विद्यावती कॉलेज ऑफ नर्सिंग ने एक जागरूकता रैली निकाली। रैली का मुख्य उद्देश्य आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए विशेषकर युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान विद्यावती कॉलेज से रैली निकाली गई और सभी को आत्महत्या रोकथाम के लिए जागरूक किया गया। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक स्लोगन और बैनर के द्वारा लोगों को आत्महत्या रोकथाम के लिए जागरूक किया। इस दौरान डॉ. श्रवण यादव, प्रबंधक निर्देशक शर्मिला, प्रधानाचार्य कुसुम लता, उप प्रधानाचार्य रविंद्र सहित कॉलेज का स्टॉफ और विद्यार्थी मौजूद रहे। प्रधानाचार्य ने बताया कि आत्महत्या के मामले में लगातार वृद्धि हो रही है, इसे रोकने के लिए जनजागरूकता बेहद जरूरी है। आत्महत्या करना किसी भी समस्या का हल नहीं है, जीवन अनमोल है और हर व्यक्ति को इसे समझने की आवश्यकता है, क्योंकि विश्व में हर साल आठ लाख से ज्यादा लोग आत्महत्या से मर रहे हैं। आत्महत्या 15 से 29 वर्ष के युवाओं में सबसे ज्यादा मौत का कारण है। कार्यक्रम की अंत में सभी प्रतिभागियों ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने क शपथ ली।

नेशनल सीबीएसई बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में बालक व बालिका वर्ग दोनों ने दिखाया अपने पंच का दम-खम

कनीना। एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में चल रही पांच दिवसीय राष्ट्रीय सीबीएसई बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2025 दूसरे दिन भी खिलाड़ियों में उत्साह दिखाई दिया। विद्यालय चेयरमैन जगदेव यादव ने शिक्षा के साथ-साथ इस आधुनिक दौर में खेलो का विशेष महत्त्व बताया। बॉक्सिंग का खेल, जिसमें सहनशक्ति व एकाग्रता के साथ-साथ अनुशासन की बड़ी अवश्यकता होती है वह खिलाड़ी जो अनुशासन में रहते हुए सही समय पर एकाग्रचित होकर वार करता है, वास्तव में वही विजेता बनता है। अतः बॉक्सिंग का यह खेल हमें धैर्य, अनुशासन व एकाग्रचित समय की पालना होकर अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ने का पाठ पढ़ाता है।

कनीना। बॉक्सिंग प्रतियोगिता में अपना दम दिखाते खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

किरण चौधरी को जीएसटी प्रदेश समिति का प्रमुख बनाए जाने पर व्यापारियों में खुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा में भाजपा की राज्यसभा सांसद किरण चौधरी को नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म प्रदेश समिति का बतौर प्रमुख नेतृत्व करने पर प्रदेश के व्यापारी भाइयों में खुशी की लहर है। प्रदेश समिति में व्यापारी एवं आम जन से जुड़ी वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) से जुड़े सुधारों पर विमर्श और सुझाव देने के लिए किरण चौधरी अहम भूमिका निभाएंगी। इस समिति से व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी और कारोबार करने का माहौल और सरल बन जाएगा।

यह बात किरण चौधरी समर्थक स्व. लाला ओमप्रकाश गुप्ता के पौत्र एडवोकेट दीपांकन गुप्ता ने शुक्रवार प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताई। उन्होंने बताया कि किरण चौधरी प्रदेश के व्यापारियों के हितों के लिए हमेशा साथ रहीं है एवं अब भी उनके हितों को ध्यान में रख कर ही निरणीय लेंगी। किरण चौधरी की सोच हरियाणा निर्माता भूतपूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी बंसीलाल के नक्शे कदम पर चलते हुए हरियाणा को सदैव प्रगति के पथ पर अग्रसर करने की रही है। किरण चौधरी हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए निरंतर कार्य कर रही है।

नारनौल। किरण चौधरी के साथ दीपांकन गुप्ता। फोटो: हरिभूमि

जताया आभार

एडवोकेट दीपांकन गुप्ता के साथ खाद्यान व्यापार एसोसिएशन के प्रधान रामजीलाल मित्तल, जिला व्यापार मंडल के महामंत्री बद्रीप्रशाद गर्ग, सैनिटरी यूनियन के महामंत्री कृष्ण कंछल, मील एसोसिएशन के प्रधान अनिल गोयल, सैनी आश्रम के प्रधान ओमप्रकाश सैनी, पूर्व पार्षद घनश्याम शर्मा, आनंद वर्मा, सुनील वर्मा, जतिन कटारिया, नवीन बहल, नवल बंसल, दुष्यंत शर्मा, रवि यादव, प्रवीण लखेरा आदि ने किरण चौधरी के इस दायित्व के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है।

सरस्वती बाल मंदिर में कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। सरस्वती बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय में हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साहित होकर अपनी भागीदारी दी। इसके साथ विद्यालय के कक्षा सातवीं के विद्यार्थी वंश ने तीरंदाजी में स्टेट लेवल पर गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा सातवीं व पांचवीं से गुंजन और सूर्यांश ने ताईक्वांडो में जिलास्तर पर सिल्वर व कांस्य पदक जीतकर विद्यालय की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन मुकेश शर्मा व प्राचार्या क्षमा पाण्डेय सहित सभी अध्यापकगण ने बच्चों को बधाई दी।

सीबीएसई नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप में जीता ब्रॉन्ज मेडल

राष्ट्रीय स्तर पर आरपीएस की टीम को मिला बेस्ट डिफेंडर का अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

सीबीएसई द्वारा आयोजित नेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट में आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल की फुटबॉल टीम ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता भोपाल में आयोजित की गई, जहां विदेशों एवं देश से विभिन्न राज्यों व क्लस्टर की श्रेष्ठ टीम भाग लेने पहुंची थी। रोमांचक मुकाबलों के बीच आरपीएस विद्यालय महेंद्रगढ़ की टीम ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना के बल पर तीसरा स्थान हासिल किया। विद्यालय के खिलाड़ियों ने न केवल विद्यालय का मान बढ़ाया, बल्कि जिले और प्रदेश का नाम भी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। खिलाड़ियों के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन से विद्यालय तथा क्षेत्रवासियों में हर्ष और गर्व की लहर दौड़ गई है। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव तथा प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने विजेता टीम और उनके कोच को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल एचओडी राजकुमार यादव व कोच प्रांजल ने बताया कि सीबीएसई नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन तीन से 11 सितंबर तक भोपाल में किया गया, जिसमें देशभर के 20 क्लस्टर तथा चार विदेशी टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में आरपीएस की टीम ने पहले मैच में त्रिवेंद्रम को हराया दूसरे मैच में दुबई को तीसरे में चंडीगढ़ को तथा चौथे मैच में महाराष्ट्र को हराकर सीबीएसई नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर विद्यालय के साथ-साथ जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में आरपीएस की टीम को बेस्ट डिफेंडर यानी सबसे कम गोल खाने का अवार्ड से नवाजा गया।

महेंद्रगढ़। खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

आत्मविश्वास बढ़ेगा

इस सफलता से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास और अधिक बढ़ेगा तथा अन्य खिलाड़ी भी प्रेरणा लेकर भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। यह उपलब्धि न केवल खेल प्रतिभा का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि आरपीएस विद्यालय के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में भी विद्यालय के खिलाड़ी देश-विदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और प्रदेश का नाम ऊंचा करेंगे।

यदुवंशी डिग्री कॉलेज में खेल प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

यदुवंशी डिग्री कॉलेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने अनेक खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और अपने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण एवं मार्च पास्ट के साथ हुई, जिसके बाद खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लड़कियों की 100 मीटर रेस में बॉटनी विभाग से प्रिया ने प्रथम, योगा से साक्षी ने दूसरा, मैथ विभाग से संजना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर रेस में मैथ से कोमल ने प्रथम, जूलॉजी से प्रिया ने दूसरा, संजना और साक्षी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। मटकी दौड़ में कॉमर्स से भावना ने प्रथम, कॉमर्स से प्रियंका ने दूसरा व कॉमर्स से लता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लम्बी कूद में कलां विभाग से रुचि ने प्रथम, जूलॉजी से प्रियंका ने दूसरा, योगा से साक्षी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार लड़कों की 100 मीटर की रेस में बीसीए से कार्तिक ने प्रथम, कला विभाग से विशाल ने दूसरा, कला विभाग से लक्की ने तीसरा स्थान हासिल किया। 200 मीटर में कला विभाग से प्रवेश ने पहला, कला विभग से लक्की ने दूसरा, कला विभग से विशाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लम्बी कूद में बीसीए से कार्तिक ने प्रथम, बीकॉम से गौरव ने दूसरा, बीएससी विशाल तीसरे स्थान पर रहे।

खेलों में निरंतर भाग लेने की प्रेरणा दी

खेल से न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि खिलाड़ियों में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में निरंतर भाग लेने की प्रेरणा दी। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए यादगार क्षण साबित हुआ। उन्होंने खेल के माध्यम से अपने अनुशासन एवं सहयोग की भावना को और मजबूत किया।

महेंद्रगढ़। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करती प्रिंसिपल ज्योति भारद्वाज।

बीआर आदर्श स्कूल में तात्कालिक भाषण स्पर्धा आयोजित

महेंद्रगढ़। बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेहलंग में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं अभिव्यक्ति क्षमता को निखारने के उद्देश्य से तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने की। प्रतियोगिता में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में कौशल, त्वरित सोचने की क्षमता और मंच पर बोलने के आत्मबल का विकास करना था। प्रतियोगिता में अनमोल पुत्र राजेश, रोनक पुत्री उमेद और मोहिनी पुत्री पवन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। विद्यालय द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में प्रभावशाली एवं स्पष्ट अभिव्यक्ति का होना अत्यंत आवश्यक है। चेयरमैन हरीश भारद्वाज ने कहा कि विद्यालय का सदैव यह प्रयास रहता है कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल तथा सार्वजनिक मंच पर बोलने का आत्मविश्वास भी विकसित किया जाए।

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका में क्विज प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका में कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए इंटर हाउस हिन्दी व गणित विषयों की क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ प्राइमरी हैड उमा यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया और हिन्दी दिवस के अवसर पर बच्चों को हिन्दी दिवस से अवगत करवाया। इस प्रतियोगिता में कैस्ट्रल हाउस ने 120 प्वाइंट लेकर प्रथम स्थान हासिल किया। स्कूल के स्टाफ सदस्यों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में फाल्कन, ईगल, कैस्ट्रल व हॉक चार हाउसों ने एक टीम के रूप में भाग लेकर अपने अपने हाउस का नेतृत्व किया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में कौशल तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना है। प्रतियोगिता का संचालन अध्यापक मोहित यादव ने किया व स्कोरर की भूमिका अध्यापिका नीतु यादव ने निभाई। प्रतियोगिता में सुषमा यादव, आशु यादव, विजय कुमार, राजेश कुमार आदि सभी अध्यापक अपने अपने हाउस के संयोजक के रूप में उपस्थित रहे।

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

अच्छी लिखाई से मिलता है रचनात्मकता को बढ़ावा: डॉ. भारद्वाज

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने करवाई सुलेख प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की ओर से शुक्रवार को सरस्वती बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सुलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें सरस्वती स्कूल के संचालक मुकेश शर्मा मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष भीमसेन शर्मा ने की। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका प्रवक्ता डॉ. जितेंद्र भारद्वाज व प्रवक्ता नरोत्तम सोनी ने निभाई। संघ के प्रधान भीमसेन शर्मा ने बताया कि सुलेख प्रतियोगिता कक्षा एक से पांच तक आयोजित की गई। जिसमें नगर के 15 विद्यालयों ने भाग लिया।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के बाद विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन संघ के कोषाध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल ने किया। मुख्य अतिथि मुकेश शर्मा ने कहा कि बच्चों की लिखाई अच्छी होने से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और छोटी कक्षा में ही लिखाई को सुंदर बनाया जा सकता है।

डॉ. जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि लिखाई से व्यक्तित्व का विकास होता है और रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों की लिखाई की प्रशंसा की और विजेता विद्यार्थियों व संघ को प्रतियोगिता के लिए बधाई दी। इस मौके पर आदर्श स्कूल के संचालक यादराम सैनी, प्रिंसिपल क्षमा पांडे, प्रिंसिपल छलूराम, शांति निकेतन स्कूल के संचालक रामनिवास सैनी, जगदीश नागर आदि मौजूद थे।

नारनौल। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

प्रतियोगिता का परिणाम

कक्षा प्रथम में एएसडी स्कूल से भव्या प्रथम, हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल से मनीषा द्वितीय, गांधी हाई स्कूल से भूमि तृतीय रही। कक्षा द्वितीय में हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल से भविष्य प्रथम, आदर्श बाल मंदिर से आशिमा द्वितीय, रोजविला पब्लिक स्कूल से हार्दिक तृतीय रहा। कक्षा तृतीय में आदर्श विद्या मंदिर से पलक प्रथम, स्प्रिंग फील्ड पब्लिक स्कूल से प्रियांशी द्वितीय, रोजविला पब्लिक स्कूल से मिष्ठा तृतीय रही। कक्षा चतुर्थ में आदर्श बाल मंदिर से साहिल प्रथम, आदर्श विद्या मंदिर से निशा द्वितीय, हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल से छवि तृतीय रही। कक्षा पांचवीं में स्प्रिंगफील्ड पब्लिक स्कूल से लोकिता प्रथम, सरस्वती बाल मंदिर से अर्पित द्वितीय व सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल से सैभाग्य तृतीय रहा।

चौथे दिन नॉकआउट मुकाबलों में दिखा दमखम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

टैगोर ग्रुप ऑफ स्कूल में जारी सीबीएसई नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप के चौथे दिन रोमांचक नॉकआउट मैच खेले गए। खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, दमदार डिफेंस और शानदार प्रतियोगिता खेली। शुक्रवार को ला-डेंटा अस्पताल गुरुग्राम से डॉ. प्रशांत डागर और डॉ. शिल्पा डागर मुख्यातिथि रही। उन्होंने खिलाड़ियों की हौसला-अफजाई करते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन और आत्मविश्वास का सबसे बड़ा स्त्रोत है। टैगोर ग्रुप ऑफ स्कूल डायरेक्टर राहुल यादव ने कहा कि यह चैंपियनशिप केवल ट्रॉफी जीतने का मंच नहीं है, बल्कि यह बच्चों को जीवनभर अनुशासन, संघर्ष और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता शुरू होने से पहले उपस्थित खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

अब सभी की निगाहें 13 सितम्बर पर टिकी

अब सभी की निगाहें 13 सितम्बर पर टिकी हैं, जब सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच क्लोजिंग सेरेमनी आयोजित होगी, जिसमें भिवानी–महेन्द्रगढ़ से सांसद धर्मबीर सिंह और विधायक कंवर सिंह मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे और विजेता टीमों को सम्मानित करेंगे। कोर्ट नंबर एक पर अंडर-14 आयु वर्ग में सेक्रेड हार्ट स्कूल चंडीगढ़ ने डीपीएस नॉर्थ कर्नाटक को मात दी, जबकि सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल उदयपुर ने सेंट सोल्जर स्कूल पंचकूला को शिकस्त दी। अंडर-17 में गीतांजलि स्कूल सोनीपत ने मेरठ पब्लिक स्कूल उत्तर प्रदेश को पराजित किया और एपेक्स स्कूल दिल्ली ने सोफिया गर्ल्स स्कूल कोटा को हराया।

सूचना

मैं, सत्यवीर सिंह पुत्र शायर सिंह निवासी सिहोर, तहसील कनीना, जिला महेन्द्रगढ़ बयान करता हूं कि मेरा पुत्र जयविन्द्र व पुत्रवधु प्रिया मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

करीब चार महीने बीतने के बाद भी मैदान साफ नहीं

मुख्यमंत्री आए तो कॉलेज ट्रैक पर डाले रोड़े, अब तक नहीं बनी सड़क, प्रैक्टिस करने वाले खिलाड़ियों को काफी परेशानियों का करना पड़ रहा है सामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

प्रशासन द्वारा सीएम नायब सिंह सैनी की धन्यवाद रैली को लेकर राजकीय कॉलेज के ट्रैक पर रोड बनाने के उद्देश्य से रोड़े तो डाले गए, लेकिन अब तक सड़क का निर्माण नहीं किया गया है, इससे प्रैक्टिस करने वाले खिलाड़ियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। करीब चार महीने बीतने के बाद भी इस मैदान को साफ नहीं करवाया गया है। मैदान में रोड़े डाले जाने से यहां प्रतिदिन खेलों व भर्ती को लेकर प्रैक्टिस के लिए शहर व क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आने वाले सैकड़ों खिलाड़ियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि 18 मई को महेंद्रगढ़ के खेल स्टेडियम में सीएम नायब सैनी की रैली थी। रैली को सफल बनाने के लिए पूरा प्रशासनिक अमला दिन-रात जुटा रहा। सीएम के उड़न खटोले के लिए राजकीय कॉलेज के खेल मैदान को चुना गया था, जहां से सीएम को सीधे साथ लगते खेल स्टेडियम में रैली स्थल तक पहुंचने के लिए हैलीपैड से रातोंरात रोड़े डालकर अस्थाई मार्ग बनाया गया था। इतना ही नहीं, इस खेल मैदान के प्रवेशद्वार से लेकर स्टेडियम तक मैदान के ट्रेक के ऊपर से रोड़े डालकर एक ओर आवागमन का मार्ग बनाया गया था, ताकि अधिकारियों का आवागमन इस अंदर के रास्ते से हो सके, लेकिन प्रशासन द्वारा अभी तक प्रैक्टिस ट्रैक से रोड़े नहीं हटाए गए हैं और न ही नया ट्रेक बनाया जा रहा है। मजबूरी में खिलाड़ी इस मोटी रोड़ियों वाले रोड़ के ऊपर दौड़ने को मजबूर हैं, जिसके चलते खिलाड़ी व सेना में जाने वाले युवाओं को परेशानी उठानी पड़ रही है।

काफी संख्या में खिलाड़ी करते हैं अभ्यास

स्थानीय खेल स्टेडियम में सुबह-शाम भारी संख्या में खिलाड़ी अभ्यास करने के लिए आते हैं। इसके अलावा सेना में जाने वाले युवा भी इसी खेल मैदान में अभ्यास करते हैं। इसके अलावा पुलिस व सेना में जाने की इच्छुक रखने वाली युवतियां भी इसी खेल मैदान में अभ्यास करती हैं, लेकिन प्रशासन की अनदेखी के कारण मजबूरी में खिलाड़ी इस ट्रेक पर दौड़ने को मजबूर हैं। खिलाड़ियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द रोड़े हटाकर कच्चा ट्रेक बनाया जाए, ताकि खिलाड़ी अभ्यास कर सकें। इस खेल स्टेडियम यहां खिलाड़ियों के पीने के पानी तक की व्यवस्था नहीं हैं। खिलाड़ी अपने घर से पानी लेकर स्टेडियम में आते हैं।

महेंद्रगढ़। राजकीय कॉलेज के खेल मैदान में ट्रेक पर बनाया गया अस्थाई मार्ग।

उच्चाधिकारियों को लिखा है: प्राचार्या

कॉलेज में हेलीपेड के लिए खेल ट्रेक पर रोड़ियां डाली गई थी और सीएम का काफिला उधर से गुजरना था, लेकिन अब कॉलेज खिलाड़ियों को खेल ट्रेक की ही आवश्यकता है। इसलिए हमने प्रशासनिक एवं अन्य उच्चाधिकारियों को लिखित एवं मौखिक बात की है। हमारी डिमांड यहां खेल ट्रेक बनवाने की ही है और कोशिश है कि जल्दी से ट्रेक बने। –डा. पूर्णप्रभा, प्राचार्य, कॉलेज, महेंद्रगढ़।

ट्रेक पर रोड़े बिछने से परेशानी

युवा खिलाड़ी अनूप कुमार ने बताया कि वह सुबह–शाम खेल मैदान के ट्रेक पर दौड़ लगाता है तथा पुलिस की तैयारी कर रहा है, लेकिन सीएम आगमन को लेकर प्रशासन ने ट्रेक पर रोड़े बिछाए थे। प्रशासन द्वारा अभी तक ट्रेक से रोड़े नहीं हटाए गए हैं, जिसके चलते उनको काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

अनूप कुमार

भागने में हो रही दिक्कत

क्रिकेट खिलाड़ी विक्रम ने बताया कि वह रोजना कॉलेज मैदान में क्रिकेट खेलने आता है। ट्रेक पर अस्थाई रोड बनाने से उन्हें भागने में परेशानी हो रही है, काफी बार वह गिरकर घायल हो चुका है। प्रशासन को जल्द ट्रेक को साफ करके कच्चा ट्रेक बनाना चाहिए।

विक्रम

पुलिस ने इस साल अब तक 130 मोबाइल ढूंढकर लौटाए

15 लाख कीमत के 52 मोबाइल मालिकों को लौटाए, चेहरों पर खुशी

इन मोबाइल फोनों की कीमत 15000 से लेकर 50000 रुपये तक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पुलिस की साइबर सेल टीम ने अपनी कर्तव्यनिष्ठा व तकनीकी दक्षता से एक बार फिर साबित किया है कि वे नागरिकों की सेवा के लिए हमेशा तैयार हैं। टीम ने एक विशेष अभियान चलाकर 15 लाख से भी ज्यादा कीमत के 52 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए और उन्हें उनके मालिकों तक पहुंचाया। इन फोनों की कीमत 15000 से लेकर 50000 रुपये तक है। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने अपने हाथों से नागरिकों को उनके फोन सौंपे। इस दौरान लोगों के चेहरों पर लौटी खुशी देखते ही बन रही थी। एसपी पूजा वशिष्ठ ने कहा कि यह सिर्फ ड्यूटी नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेवारी है।

एसपी ने कहा कि हमें आपके फोन वापस मिलने पर जितनी खुशी होती है, उससे कहीं ज्यादा खुशी हमें आपके चेहरे पर आई मुस्कान देखकर मिलती है। पुलिस की साइबर सेल टीम ने इस साल अब तक 130 मोबाइल ढूंढकर उनके मालिकों को लौटाए है। सीईआईआर पोर्टल के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि इस पर शिकायत रजिस्टर्ड करने उपरांत मोबाइल का आईएमईआई ब्लॉक हो जाता है और मोबाइल ट्रेस होने उपरांत शिकायतकर्ता को सूचना दे दी जाती है। इस सराहनीय प्रयास के लिए साइबर सेल की टीम में शामिल एएसआई बलजीत, सिपाही महेश, रविन्द्र, संजीत, प्रदीप, अंकित बधाई के पात्र हैं।

नारनौल। मोबाइल फोन लौटाती एसपी पूजा वशिष्ठ। फोटो: हरिभूमि

ब्लॉक करने की प्रक्रिया समझाई

अगर आपका मोबाइल गुम या चोरी हो जाए, तो सीईआईआर पोर्टल पर जाएं और अपना खोया या चोरी हुआ मोबाइल ब्लॉक विकल्प चुनें। फॉर्म में मोबाइल नंबर, आईएमईआई, ब्रांड, मॉडल, खोने की तारीख, पहचान पत्र व मोबाइल की रसीद जैसी जानकारी भरें। जानकारी भरने के बाद आपको एक रिक्वेस्ट आईडी मिलेगी। जिससे आप अपनी शिकायत की स्थिति ट्रैक कर सकेंगे।

कैसे खोए थे फोन एक सीख

जांच में पाया गया कि ये फोन कई अलग अलग तरीकों से गुम हुए थे। बाजारों की भीड़ में खरीदारी करते हुए, ऑटो या बस से उतरते हुए, बाइक चलाते समय जेब से गिरते हुए या पार्कों में व्यायाम करते समय गुम हो गए। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें। मोबाइल को सुरक्षित जेब में रखें और यात्रा करते समय हमेशा सतर्क रहें।

क्या कहते है मोबाइल मालिक

बेहतरीन काम किया

पिछले साल बारिश के मौसम में मेरा मोबाइल गुम हो गया था। मैंने तुरंत इसकी शिकायत साइबर सेल में की थी। पुलिस की साइबर सेल टीम पर पूरा भरोसा था और उन्होंने मेरा मोबाइल ढूंढकर वापस सौंप दिया। यह बेहतरीन काम पुलिस ने कर दिखाया है। -शंकर लाल जेई, बिजली वितरण निगम।

टीम का धन्यवाद

छह महीने पहले मेरा मोबाइल गुम हुआ था, तो मैं बहुत निराश था, लेकिन पुलिस की साइबर सेल टीम ने खोया हुआ मोबाइल वापस लौटाकर निराशा को खुशी में बदल दिया। इस टीम का धन्यवाद करता है।

–मुकेश कुमार।

पुलिस टीम का शुक्रगुजार

उसका मोबाइल करीब 10 महीने पहले खो गया था, तक लगा कि अब वो कभी नहीं मिलेगा, लेकिन उसने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई और उन्होंने भरोसे को बनाए रखा। आज साइबर सेल ने मोबाइल वापस लौटा दिया है। वह पुलिस टीम का शुक्रगुजार है। –सुमन अटेली।

सुरक्षा का भरोसा पैदा हुआ

जून में मोबाइल खो गया था, तब बहुत परेशान था। साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई थी। आज मोबाइल सही सलामत वापस पाकर बहुत खुश है। पुलिस ने जिस लगन से काम किया है, उसके लिए उनका धन्यवाद है। उनका यह काम समाज में सुरक्षा का भरोसा पैदा करता है।

-शिव कुमार अटेली।

सैनी सभा के निर्वाचित पदों की जिला रजिस्ट्रार से सत्यापित सूची सौंपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

सैनी क्षेत्रीय सभा सभा के प्रधान सुरेश कुमार सैनी को प्रशासक डॉ. योगेंद्र यादव ने जिला रजिस्ट्रार से सत्यापित सभा के पदों की सूची सौंपी है। इस मौके पर समाज के गणमान्य लोगों ने डा. यादव का चुनाव निष्पक्ष व शांतिपूर्वक करवाने प्रशासक व उनकी टीम और जिला प्रशासन का आभार प्रकट किया।

गौर हो कि सैनी सभा का कार्यकाल समाप्त होने के बाद समाप्त होने पर भी चुनाव नहीं करवाने को लेकर जिला रजिस्ट्रार ने सभा पर प्रशासक व सह चुनाव अधिकारी नियुक्त किए गए थे। जिन्होंने गत 7 सितंबर को सैनी क्षेत्रीय सभा महेंद्रगढ़ के चुनाव करवाए गए थे। सभा के चुनाव में भारी बहुमत से समाज के लोगों ने सुरेश सैनी को प्रधान, महादेव प्रसाद को उपप्रधान, होशियार सिंह सैनी को सचिव, दुष्यंत सैनी को खजांची तथा रामनिवास सैनी को सहसचिव चुना है। कार्यकारिणी के छह सदस्य पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। प्रशासक–कम–सहचुनाव अधिकारी डॉ. योगेंद्र कुमार ने सभा प्रांगण में पहुंचकर सभा प्रधान सुरेश सैनी को सभी सदस्यों व समाज के लोगों की उपस्थिति में जिला रजिस्ट्रार द्वारा अनुमोदित प्रधान सहित 11 सदस्यों की सूची सौंपी।

महेंद्रगढ़। सभा की सत्यापित सूची सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

रेलवे ने जोधपुर से गोरखपुर के लिए चलाई नई स्पेशल रेलगाड़ी

- गाड़ी 25 सिंतबर से 25 दिसंबर तक प्रत्येक वीरवार को गाड़ी संख्या 04829 जोधपुर से गोरखपुर जाएंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

रेलवे विभाग की ओर से जोधपुर से गोरखपुर के लिए नई स्पेशल ट्रेन का संचालन दोबारा शुरू किया है। इस गाड़ी का महेंद्रगढ़ स्टेशन पर भी ठहराव होगा। दैनिक रेलयात्री महासंघ अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि यह गाड़ी 25 सिंतबर से 25 दिसंबर तक प्रत्येक वीरवार को गाड़ी संख्या 04829 जोधपुर से गोरखपुर जाएंगी। वहीं 25 सितंबर से 25 दिसंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को गाड़ी संख्या 04830 गोरखपुर से जोधपुर के लिए चलेगी। यह गाड़ी आगामी तीन माह में 14 बार गोरखपुर आवागमन करेंगी तथा इस गाड़ी की 28 ट्रिप रखी गई है। उन्होंने बताया कि यह गाड़ी 25 सिंतबर को शाम को 4:15 बजे जोधपुर से रवाना होकर, 9:35 बजे रतनगढ़, 26 सितंबर को रात 12:30 बजे लोहारू, 1:07 बजे महेंद्रगढ़, 2:50 बजे रेवाड़ी, 4:45 बजे दिल्ली, 15.10 बजे लखनऊ से अयोध्या होकर शुक्रवार की सुबह 8.50 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वहीं शुक्रवार की रात 11: 25 बजे गोरखपुर से रवाना होकर वाया अयोध्या, लखनऊ, दिल्ली, रेवाड़ी, शाम को 3:18 बजे महेंद्रगढ़, लोहारू, सादलपुर, चुरु, रतनगढ़, सुजानगढ से होते हुए शाम को जोधपुर पहुंचेगी। अक्टूबर माह में 2, 9, 16, 23 व 23 अक्टूबर को गोरखपुर जाएंगी।

खबर संक्षेप

152 डी से बस अब नहीं आएगी महेंद्रगढ़, निराशा

महेंद्रगढ़। चंडीगढ़ से चलकर महेंद्रगढ़ के बस स्टैंड पर दिन के समय प्रातः 11 बजे आने वाली रोडवेज बस अब महेंद्रगढ़ की बजाए 152 डी से होते हुए सीधे नारनौल जाएगी। इससे महेंद्रगढ़ के यात्रियों को निराशा हाथ लगी है। इस बस के बंद होने से यात्रियों को अब 152डी के बुचावास कट पर उतना पड़ेगा। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना सकता है। जब यह बस महेंद्रगढ़ आती थी तो चंडीगढ़ से हरियाणा केंद्रीय विवि जांट पाली आने वाले विद्यार्थियों एवं स्टॉफ को बड़ा फायदा मिलता था। यह बस महेंद्रगढ़ आने से बंद होने पर विवि ही नहीं।

पीएचसी बलाहा कलां में आशा वर्कर्स की बैठक

नारनौल। बलाहा कलां पीएचसी में शुक्रवार आयोजित आशा मासिक बैठक में खंड आशा समन्वयक ने सभी आशा कार्यकर्ताओं को मातृ व शिशु स्वास्थ्य से जुड़े अहम दिशानिर्देश दिए। बैठक में कहा कि पीएचसी के अधीन आने वाली सभी गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी अनिवार्य रूप से सीएचसी दोचाना में करवाई जाए। इसके साथ ही, प्रत्येक आशा कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं का 10 सप्ताह के अंदर पंजीकरण करवाना होगा। उन्होंने क्षेत्र में लिंग भ्रूण परीक्षण कराने वाले संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखने और ऐसी किसी भी गुप्त सूचना को तत्काल विभाग तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। महिलाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

उपायुक्त ने समाधान शिविर की समीक्षा की, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में समाधान शिविर को लेकर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर आम जनता के लिए अपनी समस्याएं रखने का एक बड़ा और प्रभावी मंच है। डीसी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे हर एक शिकायत को पूरी गंभीरता से लें तथा उनका तुरंत समाधान करें। उन्होंने निर्देश दिए कि हरियाणा सरकार व मुख्यमंत्री कार्यालय उन विभागों पर कड़ी नजर रखे हुए हैं, जिनकी शिकायतें लंबे समय से लंबित हैं। कैप्टन मनोज कुमार ने अधिकारियों को आपसी समन्वय से काम करने के लिए कहा, ताकि शिकायतों का सही और समय पर निपटारा हो सके। उन्होंने चेतावनी दी कि एक्शन टेकन रिपोर्ट भेजते समय यह सुनिश्चित करें कि दी गई जानकारी सही हो। गलत रिपोर्ट भेजने पर संबंधित विभाग के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में नगराधीश डॉ. मंगल सेन, डीएसपी भारत भूषण समेत कई अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

नारनौल। रक्तदाता को सम्मानित करते डा. विनीत यादव। फोटो: हरिभूमि

गोशाला में कैंप में 65 यूनिट रक्त एकत्रित

नारनौल। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्टेडियम के नजदीक स्थित गोमाता उपचारशाला में ताराचंद सैनी की पहली पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में लोगों ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया। गोमाता उपचारशाला में आयोजित कैम्प में 65 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में डॉ. विनित यादव मुख्य अतिथि थे। जिन्होंने गोमाता उपचारशाला समिति को 51000 रुपये दिए। आयोजनकर्ता दिनेश सैनी ने बताया कि मुख्यातिथि विजय हॉस्पिटल संचालक डॉ. विनीत यादव सहित उनकी टीम ने लोगों की पहले जांच की, इसके रक्तदान करने वाले लोगों को सर्टिफिकेट व हेलमेट प्रदान किए। इससे पहले गोमाता उपचारशाला में डॉ. विनीत यादव ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर विजय हॉस्पिटल संचालक डॉ. विनीत यादव ने कहा कि रक्तदान करने वाला किसी न किसी की जिंदगी बचाने का काम करता है और जिंदगी बचाने से बड़ा उपकार और धर्म कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए।

महेंद्रगढ़ में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ चलाया अभियान

- छापेमारी करके 8 .5 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

नगर पालिका व हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को शहर के बाजार में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान कई स्थानों पर छापेमारी करके 8.5 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया। एईई दिपेश ने बताया कि इस अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले एक थोक व्यापारी व पांच खुदरा दुकानदारों पर 20500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गोयल ट्रेडिंग कंपनी नामक एक थोक व्यापारी व पांच अन्य दुकानदारों पर छापा मारा। निरीक्षण के दौरान इन सभी के पास से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री बरामद हुई। इस कार्रवाई में नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त जुर्माना लगाया गया। कुल 20500 रुपए की राशि वसूल की गई।

महेंद्रगढ़। नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर जुर्माना लगाती टीम। फोटो: हरिभूमि

सीएचसी में मरीजों की लगी लंबी कतार, सावधानी बरतने के निर्देश

बरसाती मौसम में बच्चों में वायरल फीवर व उल्टी-दस्तों का बढ़ा प्रकोप

- सीएचसी में 80 फीसदी ओपीडी संभाल रहा शिशु रोग विशेषज्ञ के सकारात्मक इलाज–सुविधाओं पर मरीजों ने जताई संतुष्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

बीते एक महीने से रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिससे छोटे बच्चों समेत ग्रामीणों में वायरल फीवर और उल्टी-दस्तों की समस्या बढ़ गई है। इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नांगल चौधरी में मरीजों की संख्या 300 के पार पहुंच गई जिनमें लगभग 200 मरीज शिशु होते हैं। बच्चों को बेहतर इलाज मिलने पर लोगों ने संतुष्टी जताई है। दूसरी तरफ गांवों में झोलाछाप डॉक्टर सक्रिय हो गए, जो मरीजों से मोटी फीस वसूल रहे हैं। आपको बता दें कि नांगल चौधरी सीएचसी के अंतर्गत आठ पीएचसी तथा 25 से अधिक उप स्वास्थ्य केंद्र संचालित हैं। पीएचसी में चिकित्सकों समेत पैरामेडिकल व नर्सिंग स्टॉफ की नियुक्ति कर रखी है। लेकिन संसाधनों के आभाव में अधिकतर मरीज नांगल चौधरी सीएचसी या अन्य अस्पतालों में इलाज कराते हैं। एक महीने से रुक-रुक कर लगातार बारिश हो रही है, जिसके जलभराव से आमरास्तों व मकानों के आसपास घास खड़ी हो गई है। मौसम में नमी बढ़ने से मच्छर पनपने आरंभ हो गए हैं।

नांगल चौधरी। सीएचसी नांगल चौधरी का प्रवेश द्वार तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के शिशू वार्ड में भर्ती छोटे मरीज। फोटो : हरिभूमि

एंटीबायोटिक दवाइयों से इलाज करते हैं झोलाछाप

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एंटीबायोटिक दवाइयों का इस्तेमाल चिकित्सकों की देखरेख में और विशेष परिस्थितियों में करने के निर्देश हैं। ऐसी दवाई के प्रभाव से मरीज को तत्काल राहत तो मिलती है, लेकिन शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने लगती है। इधर झोलाछाप डॉक्टर एंटीबायोटिक दवाई इस्तेमाल करके मरीज को तुरंत राहत देकर मोटे पैसे वसूलते हैं। ऐसी दवाई से किया गया इलाज मरीज के लिए घातक साबित हो सकता है।

दवाइयों की कमी नहीं, अतिरिक्त बेडों का किया है प्रबंध

एसएमओ ने बताया कि मौसम का बदलाव होने से सीएचसी में मरीजों की संख्या बढ़ी है। जिनकी सुविधा के लिए पर्याप्त दवाइयों का प्रबंध किया है। गंभीर रूप से बीमार को भर्ती करने के लिए अतिरिक्त बेड लगाए गए हैं। सीएचसी में आपातकाल सुविधा भी उपलब्ध है, ताकि मरीज को तत्परता से इलाज मिल सके।

पीड़ित को पानी पिलाते रहें, भूखा नहीं रहने दें

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अशोक यादव ने बताया कि सीएचसी में करीब 200 शिशु मरीज रोजाना पहुंच रहे हैं। अधिकतर मरीज उल्टी-दस्त, वायरल फीवर, एलर्जी से पीड़ित होते हैं, कई पीड़ितों की प्लेट भी डाउन होती है। जिन्हें भर्ती करके इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीड़ित को बार पानी पिलाते रहें तथा भूखा नहीं रहने दें। पूरे कपड़े पहनाएं, खाने की शुद्धता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने बताया कि वायरल फीवर का इलाज चार/पांच में संभव हो पाता